BSNL EMPLOYEES UNION

Recognised Union in BSNL

(Registered Under Indian Trade Union Act 1926. Regn.No.4896)

CHQ:Dada Ghosh Bhawan, Opp. Shadipur Bus Depot., New Delhi – 110008

Email: chqbsnleu@sify.com, website: bsnleuchq.com

P. Abhimanyu
General Secretary

Phone: (O) 011-25705385
Fax : 011- 25894862

बीएसएनएलईयू/102 (सर्कुलर सं. 01) **05 फरवरी, 2011**

सेवा में,
सभी सर्किल और जिला सचिव

बीएसएनएलईयू ने 5 वां सदस्यता सत्यापन जीता

प्रिय साथियों 5 वें सदस्यता सत्यापन की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी हो गई है। बीएसएनएल एम्पलॉइज यूनियन एक बार फिर प्रतिनिधि यूनियन के रूप में चुन ली गई है। यह लगातार चौथी बार है कि बीएसएनएलईयू ने चुनाव जीता है। उसने एक अच्छे मार्जिन से चुनाव जीता है। सीएचक्यू इस जीत के लिए सभी को हार्दिक बधाई देती है।

कुल 2,29,690 कर्मचारी मतदान करने के पात्र थे जिनमें से 2,17,321 कर्मचारियो ने मतदान किया। मतदान 01.02.2011 को हुआ औरगिनती 03.02.2011को। परिणामों की घोषणा 04.02.2011 को की गई। पूरी प्रक्रिया बिना किसी अप्रिय घटना के संपन्न हुई। सत्यापनके शांतिपूर्ण समापन के लिए तमाम कर्मचारी बधाई के पात्र है।

बीएसएनएलईयू ने 26,671 वोटों के एक अच्छे मार्जिन से चुनाव जीता। उसे 1,06,971 वोट मिले। एनएफटीई और एफएनटीओ को क्रमश: 80,300 और 16,951 वोट मिले। बीएसएनएलईयू की जीत महत्वपूर्ण है। बीएसएनएल कर्मचारियों ने एनएफटीई और एफएनटीओ की परिवर्तन के लिए माग को एकदम अस्वीकार कर दिया है। उन्होंने बीएसएनएलईयू पर अपना पक्का भरोसा प्रकट किया है।

5 वें सत्यापन में अपनी हार होने का अंदेशा महसूस करते हुए एनएफटीई और एफएनटीओ ने कोर्ट मे स्टे प्राप्त करके इसे रोकने की कोशिश की। लेकिन माननीय मद्रास उच्च न्यायालय और माननीय केरल उच्च न्यायालय दोनो ने ही उनकी याचिका खारिज कर दी। 31.01.2011 को माननीय केरल उच्च न्यायालय ने सिर्फ यह कहा है कि 5 वे सदस्यता सत्यापन के नतीजे कोर्ट केस के फैसले के आधीन है।

सदस्यता सत्यापन में बीएसएनएलईयू ने वेतन समझौते, नई प्रमोशन नीति में अपनी उपलब्धियों और बीएसएनएल की रक्षा के लिए संयुक्त संघर्षों के लिए उसकी पहल को भी रेखांकित किया था लेकिन विरोधी पक्ष बीएसएनएलईयू की छवि खराब करने के घटिया स्तर तक गया।

बीएसएनएल मुख्य रूप से सरकार की गलत नीतियों और खराब प्रबंधन के कारण एक घाटा करने वाली कंपनी बन गई है। इसके फलस्वरूप बीएसएनएल कर्मचारियों को पिछले साल पीएलआई नहीं मिला। पिछले कुछ सालों में बीएसएनएल की सभी यूनियनों और एसोसिएशनो ने इनगलत नीतियों और कुप्रबंधन के खिलाफ जेएसी के झंडे तले अनेक संघर्ष किए हैं। लेकिन एनएफटीई और एफएनटीओ ने पीएलआई के भुगतान न किए जाने के लिए बीएसएनएलईयू पर दोषारोपण किया था। यह उन यूनियनों का कोरा अवसरवाद है।

उसी प्रकार सभी यूनियनो और एसोसिएशनों ने बीएसएनएल की जीवतता की रक्षा के लिए जेएसी के झंडे तले 1 और 2 दिसबर 2010 को हड़ताल की। इसके लिए वेतन कटौती का आरोप भी बीएसएनएलईयू पर मढ़ दिया गया। यह अफसोस की बात है कि एनएफटीई जिसके बारे में यह कहा जाता है कि मजदूर वर्ग की विचारधारा के आधार पर काम करती है उसने इस वेतन कटौती के लिए बीएसएनएलईयू की आलोचना की।

डीआरटीटीएज के कुछ मुद्दे बीएसएनएलईयू की भरसक कोशिशों के बावजूद हल नहीं हो सके है। अंतिम समय तक एसएनएटीटीए भी उन मुद्दो को हल करने की कोशिशों मे बीएसएनएलईयू के साथ जुड़ी रही थी। दुर्भाग्य से इसके बाद एसएनटीटीए एनएफटीई के गठजोड़ मे शामिल हो गई और बीएसएनएलईयू को एक टीटीए विरोधी यूनियन के रूप में चित्रित किया।

बीएसएनएलईयू के खिलाफ इस सब नकारात्मक प्रचार के बावजूद उसने एक अच्छे मार्जिन से चुनाव जीता है। मुझे उम्मीद है कि बीएसएनएलईयू आने वाले दिनों में और मजबूत होगी और वह अधिक प्रतिबद्धता के साथ कर्मचारियों की सेवा करेगी।

सधन्यवाद,

आपका साथी,

(पी. अभिमन्यु)
जनरल सेक्रटरी